● वर्ष 13 ● अंक 03, जनवरी 2025

संपादक
वंदना दुबे

कार्यकारी संपादक
रामप्रसाद
शिवप्रसाद

उप संपादक
आदर्श दीक्षित

कार्यालय
उत्तर प्रदेश

प्रयागराज- गजल एडवर्टाइजर, बी-654/2 जी.टी. बी. नगर, प्रयागराज (इलाहाबाद)

लखनऊ - श्री नरेंद्र प्रसाद दुबे, मुनेश्वरम, आलम नगर क्रॉसिंग, नए रेलवे पंप हाउस के सामने, लखनऊ - 226017

छत्तीसगढ़
रायपुर - द्वारा श्री रामप्रसाद दुबे, होलीक्रॉस स्कूल के पास, पेंशन बाड़ा, रायपुर - 492 001

मध्यप्रदेश
भोपाल- एल.आई.जी.-15, फेस-1, कान्हा कुंज, कोलार रोड, भोपाल- 462 042 मोबाइल -8224057288

स्वामी श्रीमती वंदना दुबे,
प्रकाशक श्रीमती वंदना दुबे, मुद्रक श्री अजय वैद्य द्वारा पवन प्रिंटर्स, कुश कॉम्प्लेक्स, पुल बोगदा, भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं एल.आई.जी-15, फेस-1, कान्हा कुंज, कोलार रोड-462 042 मध्यप्रदेश से प्रकाशित

संपादक-श्रीमती वंदना दुबे

संपादकीय

निजी डेटा पर व्यक्तियों के अधिकार

समस्या बनी रही यह समझ है कि सरकार को हर तरह के डेटा पर अपना स्वामित्व बनाने का प्रयास कर रही है। जबकि बेहतर यह होगा कि नया कानून बनाने के अवसर का उपयोग नागरिक अधिकारों के संरक्षण की अवधारणा के मुताबिक हो।

केंद्र के डिजिटल निजी डेटा संक्षरण (डीपीडीपी) विधेयक प्रारूप को लेकर पैदा हुए अंदेशों के पीछे एक वजह तो वर्तमान सरकार के पुराने रिकॉर्ड से पैदा हुआ अविश्वास है। समाज के एक बड़े हिस्से में धारणा गहरे बैठी हुई है कि नरेंद्र मोदी सरकार नागरिक जीवन के हर पहलू पर शिकंजा कसना चाहती है। बहरहाल, धारणाओं को छोड़ दें और आम जन की राय मांगने के लिए सार्वजनिक किए गए प्रारूप पर ध्यान दें, तो भी ये नहीं लगता कि सरकार का मकसद निजी डेटा पर व्यक्तियों के अधिकार को मजबूती प्रदान करना है। बल्कि लगता है कि वह सारे डेटा पर अपना नियंत्रण अधिक मजबूत करना चाहती है।

इसका एक प्रमुख पहलू डेटा को देश से विदेश ले जाने को नियंत्रित करना है। प्रावधान किया गया है कि जो कंपनियां यूजर्स डेटा हासिल करती हैं, उन्हें देश का डेटा देश के अंदर ही रखना होगा। हालांकि सरकार की तरफ से यह सफाई भी दी गई है कि इस प्रावधान को सिर्फ कुछ जरूरी मामलों में लागू किया जाएगा। वे मामले कौन-से होंगे, इसका निर्णय संबंधित मंत्रालय करेंगे। आज दुनिया भर में ट्रेंड डेटा को देश में रखने के लिए कंपनियों को मजबूर करने का है। मगर उसके साथ ही डेटा पर पहला अधिकार संबंधित व्यक्ति का है, यह सिद्धांत भी तेजी से स्वीकार्यता हासिल करता गया है। मगर भारतीय प्रारूप में इस निर्णय का अधिकार सरकार हासिल करती दिखती है। एक अन्य प्रमुख प्रावधान बच्चों के इंटरनेट उपयोग से पहले माता-पिता की स्वीकृति को अनिवार्य बनाना है। यह कैसे होगा, इसकी जिम्मेदारी डेटा हासिल करने वाली कंपनियों पर डाल दी गई है। कंपनियों के मुताबिक यह बेहद मुश्किल काम है। कई विकसित देशों में भी इसे सुनिश्चित करना कठिन बना रहा है। वैसे इस प्रावधान के पीछे मकसद अच्छा है। लेकिन कुल समस्या प्रारूप को लेकर बन रही यह समझ है कि इसके जरिए सरकार को हर तरह के डेटा पर अपना स्वामित्व बनाने का प्रयास कर रही है। जबकि बेहतर यह होगा कि नया कानून बनाने के इस अवसर का उपयोग नागरिक अधिकारों के संरक्षण की अवधारणा के मुताबिक हो।

जहां कभी गोलियों की गूंज थी, वहां अब सुनाई देता है विकास का शंखनाद - मुख्यमंत्री साय

बचेली प्रवास में मुख्यमंत्री ने 160 करोड़ से अधिक राशि के विकास कार्यो का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजनबचेली प्रवास में मुख्यमंत्री ने 160 करोड़ से अधिक राशि के विकास कार्यो का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजनबचेली प्रवास में मुख्यमंत्री ने 160 करोड़ से अधिक राशि के विकास कार्यो का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजनबचेली प्रवास में मुख्यमंत्री ने 160 करोड़ से अधिक राशि के विकास कार्यो का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजनबचेली प्रवास में मुख्यमंत्री ने 160 करोड़ से अधिक राशि के विकास कार्यो का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

माओवादी खून खराबे और आतंक के पक्षधर हैं, हम विकास और सद्भाव के लिए काम कर रहे हैं। अब बस्तर की तस्वीर तेजी से बदल रही है। जहां कभी गोलियों की गूंज थी, वहां अब विकास का शंखनाद सुनाई देता है। जहां कभी बेकारी और लाचारी थी, वहीं इस जिले के ग्रामीण युवाओं को उच्च शिक्षा और रोजगार उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। हम माओवाद को जड़ से खत्म करके ही दम लेंगे। हमारे शहीद जवानों की शहादत बेकार नहीं जाने देंगे मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल बचेली में आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में विकास का पहिया तेजी से घूम रहा है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत के सपनों को साकार करने के लिए हम विजन 2047 छत्तीसगढ़ के अंतर्गत विकासशील छत्तीसगढ़ को विकसित छत्तीसगढ़ बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल, बड़े बचेली में हमने 160 करोड़ रूपये के 501 कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन किया है। इनमें 49 करोड़ रूपये के 367 कार्यों का लोकार्पण और 112 करोड़ रूपये के 134 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। साथ ही इस मौके पर हमने 114 करोड़ रूपये के हितग्राही मूलक कार्यों का चेक और सामग्री का वितरण भी कर रहे हैं। आज जिन बड़े विकास कार्यों का लोकार्पण हुआ है, उनमें गीदम ब्लाक के छिन्दनार से बड़ेकरका मार्ग पर 33 करोड़ रूपये का पुल, जिले के सभी विकासखंडों में एक करोड़ रूपये से बने पुल-पुलिया, गीदम, कुआकोंडा, कटेकल्याण मार्ग का चौड़ीकरण और मजबूतीकरण शामिल है।इसके अलावा मोर मकान-मोर आवास के अंतर्गत सवा सात करोड़ रूपये की लागत से 321 हितग्राहियों के लिए बने पक्के मकानों की चाबी भी हमने सौंपी है। जलावर्धन और जलशोधन संयंत्र स्थापना के लिए किरंदुल में करीब 45 करोड़ और बारसूर में 15 करोड़, दंतेवाड़ा में अंतरराज्यीय बस स्टैंड और दंतेवाड़ा जिले के सभी विकासखंडों में आश्रम भवन निर्माण कार्यों के लिए हमने अभी भूमिपूजन किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आप सबको पता है कि हमारी सरकार ने सुशासन के एक साल पूरे कर लिये हैं। इस एक साल के दौरान मोदी जी की गारंटी को हमने पूरी गारंटी के साथ पूरा किया है। हमारी सरकार ने पहली बार बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया जिसमें करीब 1 लाख 65 हजार लोगों ने भाग लिया। इस आयोजन की सराहना यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने मन की बात में भी की। हमारी सरकार गांव-गरीब और किसानों के हित में लगातार काम कर रही है। तेंदूपत्ता संग्राहकों को हमारी सरकार 4 हजार रुपए से बढ़ाकर साढ़े 5 हजार रुपए प्रति मानक बोरा दे रही है। इससे वनवासियों के जीवन स्तर में बदलाव दिखने लगा है। नियद नेल्लानार योजना अंतर्गत जिले के चिन्हित सभी 765 किसानों को 48 लाख रूपये का पावर स्प्रेयर, 1 करोड़ 70 लाख रूपये की लागत से पॉवर ट्रिलर जल्द ही वितरण करने की तैयारी कृषि विभाग ने की है। नियद नेल्लानार योजना के तहत 1200 परिवारों को नि:शुल्क मोबाइल फोन का वितरण किया जा रहा है। इससे दूरस्थ अंचल के ग्रामीण मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे। सुदूर अंचल के क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए जन सुविधा एक्सप्रेस अभियान के तहत करीब 4 करोड़ रूपये की लागत से 37 वाहन महिला समूहों और युवा संगठनों के माध्यम से संचालित हैं। मुख्यमंत्री श्री साय

ने कहा कि यहां माता-बहनों की बड़ी संख्या में उपस्थिति है।

यह इस बात का प्रमाण है कि इनके खाते में हर महीने एक-एक हजार रूपये सांय-सांय जा रहा है।

अभी हाल ही में हमने इस साल के पहले दिन ही माता-बहनों के खाते में रूपये जमा कराया। इससे महिला सशक्तिकरण को बल मिला है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार गांव-गरीब और किसानों के हित में लगातार काम कर रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने अंत्योदय के विकास का जो सपना देखा था। उसे हम सब मिलकर पूरा करने में जुटे हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी का सपना है कि कोई भी भारतीय खुले आसमान के नीचे नहीं सोएगा। हर नागरिक का पक्का मकान होगा। इसी कड़ी में हमारी सरकार बनते ही हमने 18 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 3 लाख 88 हजार आवासों की स्वीकृति पुन: प्रदान की है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आवास प्लस का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2024 में बहुत से लोग आवास योजना के लाभान्वित होने से वंचित हुए थे इसके साथ ही वाहन, आय और भूमि संबंधी अन्य संसाधनों होने के साथ ही वे आवास योजना के दायरे से बाहर में थे उनके लिए आवास प्लस योजना के तहत सर्वे कार्य प्रारंभ किया गया हैं। और शीघ्र ही उन्हें सूची में जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि वहीं 2.5 एकड़ सिंचित एवं 5 एकड़ असिंचित भूमि वाले किसान भी आवास योजना के लाभार्थी होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई संसाधन और सड़कों के रखरखाव पर फोकस करते हुए अंतिम छोर के व्यक्ति तक सुशासन पहुंचाने प्रतिबद्ध है।

राष्ट्रपति ने पारंपरिक समारोह में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार दिये, पैरा एथलीट रहे आकर्षण का केंद्र

दो ओलंपिक पदक जीतने वाली निशानेबाज मनु भाकर और शतरंज विश्व चैम्पियन डी गुकेश ने चमक बिखेरी लेकिन जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यहां राष्ट्रपति भवन में पारंपरिक समारोह में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार प्रदान किये तो सबसे ज्यादा तालियां पैरा एथलीटों को मिली।

मनु और गुकेश के साथ भारतीय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिह और पैरालम्पिक स्वर्ण पदक विजेता ऊंचीकूद के खिलाड़ी प्रवीण कुमार को भी देश का सर्वोच्च खेल सम्मान प्रदान किया गया। बाईस वर्ष की भाकर एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी बनी जिन्होंने पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। हरमनप्रीत तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली हॉकी टीम के सदस्य थे। पेरिस ओलंपिक में वह टीम के कप्तान भी थे। दूसरी ओर बायें पैर में विकार के साथ पैदा हुए प्रवीण ने तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीता और पेरिस में उसे स्वर्ण में बदला। अठारह बरस के गुकेश सबसे युवा विश्व चैम्पियन बने जिन्होंने पिछले महीने चीन के डिंग लिरेन को हराया । वह विश्वनाथन आनंद के बाद विश्व चैम्पियनशिप जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं। वह पिछले साल सितंबर में शतरंज ओलंपियाड में भारत की खिताबी जीत में भी सूत्रधार थे। इस बार 32 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार दिये गए जिनमें से 17 पैरा एथलीट हैं। अर्जुन पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ियों में पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान अमन सेहरावत, निशानेबाज स्वप्निल कुसाले, सरबजोत सिह और पुरूष हॉकी टीम के सदस्य जरमनप्रीत सिह, सुखजीत सिह, संजय और अभिषेक शामिल हैं ।

इस बार पैरा एथलीटों की संख्या पुरस्कार जीतने वालों में अधिक थी जिन्होंने पेरिस पैरालम्पिक में सात स्वर्ण और नौ रजत समेत 29 पदक जीते। राष्ट्रपति मुर्मू कई बार परंपरा से हटकर व्हीलचेयर पर निर्भर कुछ खिलाड़ियों जैसे प्रणव सूरमा के लिये खुद आगे चलकर आई। सूरमा ने क्लब थ्रो में पैरालम्पिक में रजत पदक जीता था जिन्हें अर्जुन पुरस्कार दिया गया।

समारोह में सबसे भावुक पल था जब भारत के पहले पैरालम्पिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर बैसाखियों के सहारे अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम) लेने राष्ट्रपति तक पहुंचे। अस्सी बरस के युद्ध नायक पेटकर को 1965 में पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध में कमर के नीचे गोली लगी थी। वह मूल रूप से मुक्केबाज थे लेकिन बाद में पैरा तैराक बन गए। उन्होंने 1972 पैरालम्पिक में स्वर्ण पदक जीता था।

वह पुरस्कार लेने आये तो तालियां तब तक बजती रही जब तक वह वापिस अपनी सीट पर आकर नहीं बैठ गए । उनके लिये तालियां बजाने वालों में अभिनेता कार्तिक आर्यन भी थे जिन्होंने उन पर बनी फिल्म 'चंदू चैम्पियन' में मुख्य भूमिका निभाई थी। खेलमंत्री मनसुख मांडविया, संसदीय और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू , खेल सचिव सुजाता चतुर्वेदी भी इस मौके पर मौजूद थीं। खेलरत्न पुरस्कार के साथ 25 लाख रूपये नकद जबकि अर्जुन और द्रोणाचार्य पुरस्कार के साथ 15 लाख रूपये दिये जाते हैं।

इस साल द्रोणाचार्य पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ियों में निशानेबाजी कोच दीपाली देशपांडे शामिल हैं जो कुसाले की कोच हैं। उनके अलावा भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व मैनेजर अलबर्टो कोलासो को भी सम्मान के लिये चुना गया।

अर्जुन पुरसकार पिछले चार साल में शानदार प्रदर्शन करने के साथ नेतृत्व क्षमता, खेल भावना और अनुशासन का प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को दिया

जाता है। इसमें ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप का प्रदर्शन खास तौर पर ध्यान में रखा जाता है।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पूर्व व्यवसायिक शिक्षा का बच्चों को मिल रहा है प्रशिक्षण

स्कूली बच्चों द्वारा तैयार लकड़ी की नेम प्लेट और पोट्रेट उपहार में पाकर सीएम साय ने जताई

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि बस्तर की अद्भुत कला को जिस समर्पण के साथ हमारे बच्चे आगे बढ़ाने का काम कर रहे है, वह सराहनीय है। बच्चों की शिक्षा और नया सीखने के प्रति लगन बस्तर की उन्नति का रास्ता खोलने का काम करेगी। उन्होंने सभी बच्चों का परिचय लिया और उनकी कला की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री साय ने इस कला को सीखने के लिए बच्चों के प्रयासों को सराहा और जब उन्हें पता चला कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर बच्चों ने यह सीखा है, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यही उद्देश्य था कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से बच्चे न केवल पढ़ाई करें बल्कि अपने रुचि के कार्यों में भी पारंगत हो। शिक्षा को रुचिकर बनाने, कला-संस्कृति को सहेजने के साथ-साथ रोजगार के बड़े उद्देश्य की पूर्ति नई शिक्षा नीति के माध्यम से साकार हो रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री को बच्चों ने काष्ठ पर उकेरे गए संविधान की उद्देशिका भेंट की और उपमुख्यमंत्री द्वय अरुण साव और विजय शर्मा को पोट्रेट भेंट किया। स्कूली बच्चों के साथ आए शिक्षक शिवचरण साहू ने मुख्यमंत्री को बताया कि नेम प्लेट को 12वीं कक्षा की छात्रा कशिक ने अपने हाथों से तैयार किया है। वहीं पोट्रेट को खिलेंद्र बघेल ने और संविधान की उद्देशिका को छात्र सागर ने तैयार किया है। उन्होंने बताया कि सभी बच्चों को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में पूर्व व्यवसायिक शिक्षा अंतर्गत यह प्रशिक्षण मिला है और बच्चे रुचि के साथ इसे सीख रहे हैं। साहू ने बताया कि सालाना लगभग 3 लाख रुपए इन कलाकृतियों के विक्रय के माध्यम से उन्हें प्राप्त हो रहे हैं। बच्चों द्वारा तैयार यह कलाकृतियां अब अमेजॉन और फ्लिपकार्ट जैसे बड़े ऑनलाइन बाजार में भी उपलब्ध है। इस अवसर पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, वन केदार कश्यप, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री मती लक्ष्मी राजवाड़े, उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और कैबिनेट के मंत्रीगणों के लिए नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मडानार स्कूल से आज विशेष उपहार आया। शासकीय उच्च प्राथमिक शाला मडानार के स्कूली बच्चों ने मुख्यमंत्री और सभी मंत्री गणों के लिए अपने हाथों से तैयार लकड़ी की नेम प्लेट भेंट की। मुख्यमंत्री साय उपहार पाकर इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने इस नेम प्लेट को तत्काल मंत्रालय स्थित अपने चेंबर के टेबल पर लगवाया और सभी मंत्रियों से भी कहा कि सभी अपने चेंबर में इसे लगवाएं। इन बच्चों ने आज मुख्यमंत्री से मंत्रालय स्थित उनके कार्यालय कक्ष में मुलाकात की।

छत्तीसगढ़ के कण कण में बसी हुई है भगवान श्रीराम की स्मृतियां - मुख्यमंत्री साय

छत्तीसगढ़ के कण कण में बसी हुई है भगवान श्रीराम की स्मृतियां

हमारी सरकार लगातार लोगों की सुख-समृद्धि के लिए काम कर रही है। 3100 रुपए प्रति क्विंटल में धान खरीदी, 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी से किसानों में समृद्धि आई है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से हर महीने 70 लाख माताओं-बहनों को एक हजार रुपए प्रति महीने की किश्त हम दे रहे हैं। देश के प्रमुख तीर्थस्थलों की यात्रा के लिए हम लोग मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा योजना आरंभ करने जा रहे हैं। इस योजना के माध्यम से भी यात्रियों को निःशुल्क तीर्थ यात्रा का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के ग्राम टिमरलगा में आयोजित पर्वतदान (अन्न) एवं अश्वमेध यज्ञ महोत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ग्राम टिमरलगा में पर्वतदान एवं अश्वमेध यज्ञ महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि जब भी बड़े धार्मिक आयोजन होते हैं, आसपास का पूरा क्षेत्र भक्ति के रंग में सराबोर हो जाता है।

छत्तीसगढ़ भगवान राम का ननिहाल है। यह वो धरती है जहां भगवान राम ने अपने वनवास का अधिकतम समय बिताया। छत्तीसगढ़ की पावन धरती में शिवरीनारायण में माँ शबरी ने प्रभु राम को जूठे बेर खिलाये थे। हमारी छत्तीसगढ़ की भूमि बहुत पवित्र भूमि है। हमारे यहां वाल्मीकि जी का आश्रम तुरतुरिया में है।वाल्मीकि आश्रम ही वह भूमि है जहां लव और कुश ने अश्वमेध यज्ञ के घोड़े को पकड़ा था। छत्तीसगढ़ के कण कण में भगवान राम की स्मृतियां बसी हुई हैं। प्रभु राम की स्मृतियों को सहेजने के लिए हम लगातार कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हम प्रदेश की पांच शक्तिपीठों को जोड़ने के लिए भी हम कार्य कर रहे हैं। हम लोगों ने त्रिवेणी संगम की नगरी राजिम में भी कुंभ मेले का पुनः आयोजन शुरू किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ग्राम टिमरलगा के माध्यमिक स्कूल का हाईस्कूल में उन्नयन, मां नाथल दाई को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने सौंदर्यीकरण, ग्राम टिमरलगा के उपस्वास्थ्य केंद्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन की घोषणा की।

इस अवसर पर रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया, मती केरा बाई मनहर,शमशेर सिंह, मती पुष्पा देवी सिंह सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवा दें हर संभव योगदान : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

उद्देश्य से ही प्रदेश में स्वामी विवेकानंद जयंती-राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर ÷स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन÷ आरंभ किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को रवीन्द्र भवन भोपाल में युवा शक्ति मिशन के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलगुरू और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं युवा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर और स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आत्म दीपो भव- - संवाद, सामर्थ्य, समृद्धि के मिशन के वाक्य पर आधारित युवा शक्ति मिशन के लोगो का अनावरण किया। उन्होंने युवाओं को कौशलयुक्त व आत्मनिर्भर बनने तथा अपने जीवन रूपी दीपक को प्रज्ज्वलित कर समाज का पथ प्रदर्शन करने की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मिशन के थीम साँग तथा युवाओं को विभिन्न विभागों की जानकारियां प्रदान के उद्देश्य से विकसित युवा पोर्टल भी लोकार्पित किया। साथ ही युवा वर्ग के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य केलिए लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा और उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से विकसित उमंग वेलनेस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर ÷उमंग÷ पर केन्द्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

युवा अपनी ऊर्जा से दीपक के समान फैलाए प्रकाश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन, प्रदेश के युवाओं के सपनों को साकार करने में राज्य शासन की ओर से आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने की दिशा में एक कदम है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का मानना है कि गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति को केन्द्रित कर विकास गतिविधियां संचालित करने से देश कम समय में विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेगा। उनकी मंशानुसार ही राज्य सरकार द्वारा स्वामी विवेकानन्द युवा शक्ति मिशन आरंभ किया गया है। युवा असीम ऊर्जा का स्त्रोत हैं, उनकी यह ऊर्जा दीपक के समान प्रकाश फैलाने में उपयोग में आए, यही युवा शक्ति मिशन का उद्देश्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सम्मुख ग्लोबल स्किल पार्क और ट्राइडेंट कम्पनी के मध्य युवाओं के कौशल उन्नयन और औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुसार प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए एमओयू का आदान-प्रदान हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यूएन विमेन द्वारा संचालित वी-स्टेम परियोजना के अंतर्गत शासकीय महिला आईटीआई बैतूल तथा अन्य संस्थाओं में विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त प्रदेश के जनजातीय बहुल जिलों की बालिकाओं को प्रोत्साहन पत्र प्रदान किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्व का सबसे युवा देश भारत है और हम सभी प्रश्नों के समाधान अपनी क्षमता और योग्यता के आधार पर करने में सक्षम है। मध्यप्रदेश में ही डेढ़ करोड़ से अधिक युवा शक्ति है। उनसे संवाद कर उनकी रूचि और योग्यता के अनुरूप उनके भविष्य और प्रगति के लिए राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। समस्त 54 विभागों में संचालित युवाओं के हित और उनसे संबंधित योजनाओं और कार्यक्रमों में समन्वय करते हुए युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उनकी क्षमता संवर्धन के लिए उद्यमिता में प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर उन्हें स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाना तथा युवाओं की ऊर्जा का देश और प्रदेश हित में उपयोग सुनिश्चित करना युवा शक्ति मिशन का उद्देश्य है। वर्तमान युग में कौशल उन्नयन और इस क्षेत्र में प्रशिक्षण का विशेष महत्व है। शासकीय सेवा या निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के साथ उद्यमिता विकास के लिए कार्य करते हुए युवाओं को नौकरी करने वाला नहीं, नौकरी देने वाला बनाया जाएगा। मिशन के अंतर्गत युवाओं के जीवन को खुशहाल, समृद्धशाली बनाने के लिए लक्ष्य निर्धारित कर समय-सीमा में उनकी प्राप्ति के लिए रोडमैप भी बनाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2030 तक प्रदेश के 70 प्रतिशत से अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास होगा। शिक्षा, रोजगार के साथ व्यक्तित्व विकास और बेहतर जीवन का भी आधार है। मिशन का लक्ष्य रखा गया है कि प्रदेश का प्रत्येक युवा वर्ष 2028 तक कक्षा 10वीं तथा वर्ष 2030 तक कक्षा 12 के स्तर तक शिक्षा पूरी करें। युवाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपनी रूचि अनुसार उद्यमिता और रोजगार के लिए अन्य क्षेत्रों में प्रशिक्षण और मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा।

कई देशों ने तकनीक के दम पर विश्व में अपनी विशेष पहचान बनाई है। हमारे युवा भी नये संकल्प के साथ आगे बढ़ें और स्वामी विवेकानंद जी के ÷उठो, जागो और तब तक मत रूको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो÷ के ध्येय वाक्य को चरितार्थ करें।

खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग ने भारतीय संस्कृति, धर्म और दर्शन को विश्व में स्थापित करने में स्वामी विवेकानंद के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर आरंभ युवा शक्ति मिशन प्रधानमंत्री श्री मोदी के शक्तिशाली-वैभवशाली भारत निर्माण के लिए शुरू किए गए यज्ञ में आहुति के समान है। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के विचारों से प्रेरणा पाकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा आरंभ किए गया युवा शक्ति मिशन, युवाओं को सशक्त करने में सहायक होगा। युवाओं को गुणवत्ता शिक्षा, रोजगारपरक दक्षता उपलब्ध कराकर उन्हें विकास की धारा से जोड़ने में भी मिशन से मदद मिलेगी। सांसद खजुराहो श्री वी.डी. शर्मा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने लक्ष्य प्राप्ति तक प्रयासों को जारी रखने का आहवान किया था। वर्तमान समय में युवाओं को आत्मनिर्भर होने के साथ देश के लिए जीने और स्वयं को समाज हित के लिए संकल्पित करने और लक्ष्य निर्धारित करने की भी आवश्यकता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा आरंभ किये गये युवा शक्ति मिशन प्रदेश के युवाओं के लिए संभावनाओं के नए द्वारा खोलेगा।

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचारों ने ऐतिहासिक रूप से भारतीय धर्म, दर्शन और संस्कृति की प्रतिष्ठा वैश्विक स्तर पर स्थापित करने के साथ देश के युवाओं को निराशा के समय में भी प्रेरित किया है। स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन के सृजन में राज्य शासन के साथ विभिन्न हितधारकों के दृष्टिकोण को समाहित किया गया है। विकास और सशक्तिकरण के उद्देश्य से स्थापित मिशन, युवाओं में आत्मविश्वास-उद्यमिता-शिक्षा-कौशल-स्वयं के स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता के साथ समाज में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए भी युवाओं को प्रेरित करेगा। कार्यक्रम के अंत में अपर मुख्य सचिव श्री मनु श्रीवास्तव ने प्रतीक चिन्ह के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित समस्त अतिथिगण को स्वामी विवेकानंद की पुस्तकों का सेट भेंट किया।

डबल इंजन की सरकार बनने से केन्द्र सरकार से छत्तीसगढ़ को मिल रहा भरपूर समर्थन : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

श्रद्धेय अटल ने छत्तीसगढ़ राज्य बनाया है और हमारा संकल्प है कि-हम सब मिलकर छत्तीसगढ़ को संवारेंगे। डबल इंजन की सरकार बनने से केन्द्र सरकार से छत्तीसगढ़ को भरपूर समर्थन मिल रहा है। हाल ही में केन्द्र सरकार ने सड़क और हवाई कनेक्टीविटी के साथ-साथ कई रेल परियोजनाओं की भी मंजूरी दी हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने एक साल में ही मोदी की गारंटी के ज्यादातर कामों को पूरा कर लिया है। सबका साथ-सबका प्रयास और सबका विकास के क्रम में महासमुंद जिले में विकास का पहिया अब तेजी से घूम रहा है। आने वाले समय में विकास में और तेजी आएगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज महासमुंद में विभिन्न विकास कार्यों के लोकर्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए यह बात कही।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने 217 करोड़ 17 लाख रुपए की लागत के 419 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 111 करोड़ रूपये के 335 कार्यों का लोकार्पण और 106 करोड़ रूपये के 84 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। कार्यक्रम में 271 हितग्राहियों को करीब सवा करोड़ रूपये की सामग्रियों का वितरण किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबों के लिए 18 लाख आवास स्वीकृति की गारंटी दी थी। उसे पूरा करते हुए शपथ के दूसरे ही दिन ही हमारी सरकार ने आवासहीन हितग्राहियों के आवास की स्वीकृति दी। अभी साढ़े तीन लाख आवास की स्वीकृति और मिलेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि महासमुंद जिले में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। प्राचीन नगरी सिरपुर और देवाधिदेव भगवान गंधेश्वरनाथ महादेव की ख्याति पूरे देश में है। लक्ष्मण मंदिर को विश्व धरोहर की सूची में शामिल करने की दिशा में हम तेजी से प्रयास कर रहे हैं। इको पयर्टन के क्षेत्र में कोडार जलाशय को विकसित किया जा रहा है। वहीं शिशुपाल पर्वत का सौंदर्यीकरण करने की दिशा

में भी काम हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महासमुंद जिला मुख्यालय की प्रमुख सड़क बरोंडा चौक महासमुंद से बम्हनी तक सड़क चौड़ीकरण और पुल-पुलिया निर्माण का हमने शिलान्यास किया है। अब इस मार्ग पर आवागमन सुलभ होगा। इसी प्रकार महासमुंद से तुमगांव-अछोला मार्ग चौड़ीकरण और सात महतारी सदन निर्माण के लिए भी शिलान्यास हुआ है। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में हमारी सरकारी निरंतर कार्य कर रही है।

निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ योजना में महासमुंद ने राज्य में अव्वल स्थान हासिल किया है। महासमुंद जिले के कुल 551 ग्राम पंचायतों में से 292 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त करके महासमुंद ने छत्तीसगढ. में प्रथम स्थान हासिल किया है। महासमुंद के हृदय स्थल पर सेंट्रल लाइब्रेरी का निर्माण कराया जा रहा है। खिलाड़ियों के लिए सिंथेटिक ट्रेक का निर्माण कराया गया है। इस तरह से युवाओं के बौद्धिक और समन्वित विकास के लिए कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार किसान भाईयों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ और 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर पर धान खरीद रही है। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल जी की जयंती सुशासन दिवस पर गारंटी के अनुरूप हमने किसानों को दो साल के बकाया धान बोनस का भुगतान भी कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष बारिश अच्छी होने के साथ ही फसल भी अच्छी हुई है, इस वर्ष 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का अनुमान है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार रामलला दर्शन योजना का शुभारंभ कर प्रदेश के श्रद्धालुओं को प्रभु राम के दर्शन के लिए भेज रही है। अभी तक 20 हजार राम भक्तों को रामलला का दर्शन लाभ मिल चुका है। महतारी वंदन योजना में हम प्रदेश की 70 लाख से अधिक माता और बहनों को प्रतिमाह एक हजार रुपए भुगतान कर रहे हैं। महासमुंद जिले की सवा तीन लाख से अधिक माताओं-बहनों को इस योजना का लाभ मिल रहा है।

हमारे छत्तीसगढ़ की धरती में कण-कण में प्रभु श्रीराम का वास - सीएम साय

हमारे छत्तीसगढ़ की धरती में कण-कण में प्रभु श्रीराम का वास, विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध - मुख्यमंत्री

जांजगीर-चाम्पा जिले को दी 183 करोड़ रूपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

हमारे छत्तीसगढ़ की धरती में कण-कण में प्रभु श्रीराम का वास है। हमारे यहां छत्तीसगढ़ का प्रयाग कहा जाने वाला राजिम है और छत्तीसगढ़ का काशी कहा जाने वाला खरौद भी है। मेरा सौभाग्य था कि जांजगीर-चांपा जिले में माता शबरी की पुण्यभूमि शिवरीनारायण से हम सभी ने भगवान श्रीरामलला के प्राणप्रतिष्ठा का कार्यक्रम देखा। 22 जनवरी को अयोध्या धाम में भगवान श्रीरामलला की प्राणप्रतिष्ठा के एक वर्ष हो जाएंगे।

यह तिथि हम सबके लिए सांस्कृतिक गौरव के सबसे बड़े दिनों में से है। जब हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भगवान रामलला की प्राणप्रतिष्ठा की तो यह हम सबके लिए बेहद भावुक क्षण था। मोदी जी ने इस अवसर पर दिये अपने संबोधन में माता शबरी को भी नमन किया। भगवान राम से माता शबरी का स्नेह हम सबको भावविभोर कर देता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जांजगीर चांपा जिले में आयोजित लोकार्पण-भूमिपूजन समारोह को सम्बोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इस अंचल में निराकार राम की उपासना करने वाले रामनामी समुदाय के लोग भी रहते हैं। जिन्होंने अपने रोम रोम में राम को बसाया है। उन्हें भी प्रधानमंत्री जी ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित किया था। अयोध्या धाम में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा के बाद जब मैं मंत्रिमंडल सहित रामलला के दर्शन करने पहुंचा तब शिवरीनारायण के बेर भी भेंट किये। हमने रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना आरंभ की है, इसके माध्यम से अब तक प्रदेश के 20 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या धाम, काशीधाम के दर्शन कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए हम तेजी से काम कर रहे हैं। राज्य में डबल इंजन की सरकार होने का फायदा छत्तीसगढ़ को मिल रहा है। रेल, सड़क सहित अन्य योजनाओं में भी प्रदेश आगे बढ़ रहा हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने ''मोदी की गारंटी'' पर काम करते हुए शपथ लेने के दूसरे

दिन हमने आवास से वंचित प्रदेश के 18 लाख लोगों को आवास देने के लिए निर्णय लिया। आज बड़ी संख्या में पीएम आवास के हितग्राहियों के पक्के मकान बन रहे हैं और नए आवास स्वीकृत हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी मतलब गारंटी पूरी होने की गारंटी है।

मुख्यमंत्री साय ने जांजगीर के शासकीय हाई स्कूल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में नवविवाहित 57 जोड़ों को नए दाम्पत्य जीवन में प्रवेश के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस अवसर पर 183.41 करोड़ रूपए की लागत के 285 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इसमें 118.39 करोड़ की लागत के 112 कार्यों का भूमिपूजन एवं 65.02 करोड़ के 173 कार्यों का लोकार्पण शामिल हैं। कार्यक्रम में इन्डस सॉफ्ट कंपनी प्रोजेक्ट संचार अंतर्गत सिद्ध के आईटीआई के साथ निशुल्क टेलीकॉम प्रारंभ करने, आईसीआईसीआई मिशन डीजी सक्षम अंतर्गत 10 शासकीय स्कूलों में निशुल्क कंप्यूटर स्थापना और मेसन ट्रेनिंग हेतु नया ट्रेनिंग सेंटर स्थापित करने हेतु ओएमयू किया गया। कार्यक्रम में जिले के पर्यटन कैलेंडर, प्रोजेक्ट सक्षम, बिहान समूहों के उत्पाद के लिए ब्रांड नेम बहिनी का विमोचन किया गया।

छत्तीसगढ़ को देश का अव्वल राज्य बनाने के लिए काम कर रही सरकार- डिप्टी सीएम अरुण साव

छत्तीसगढ़ को देश का अव्वल राज्य बनाने के लिए काम कर रही सरकार, उप मुख्यमंत्री ने जिला ऑडिटोरियम एवं मनोविकास केंद्र का किया लोकार्पण, 21 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन, उप मुख्यमंत्री साव ने एक करोड़ 85 लाख रुपए के नए विकास कार्यों की घोषणा की

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने जिला मुख्यालय बलौदाबाजार में नवनिर्मित जिला ऑडिटोरियम का लोकार्पण एवं विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन किया। उन्होंने इस दौरान छह करोड़ 36 लाख रुपए की लागत से निर्मित जिला ऑडिटोरियम और नवीन कृषि उपज मंडी में संचालित होने वाले मनोविकास केंद्र के लोकार्पण सहित 21 करोड़ 29 लाख रुपए के 56 विकास कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण किया। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा और सांसद बृजमोहन अग्रवाल भी लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बलौदाबाजार में आज दो करोड़ रुपए के चार कार्यों का भूमिपूजन तथा 19 करोड़ 29 लाख रुपए के 52 कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर जिला ऑडिटोरियम का नाम बलौदाबाजार के पूर्व विधायक सत्यनारायण केशरवानी के नाम पर करने जिला प्रशासन को राज्य शासन को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। साव ने कार्यक्रम में बलौदाबाजार जिले के नगरीय निकायों में विकास कार्यों के लिए एक करोड़ 85 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने 'हम होंगे कामयाब' कार्यक्रम के अंतर्गत 60 युवाओं को रोजगार पत्र, अंत्यवसायी विभाग के 359 हितग्राहियों को 35 लाख 90 हजार रुपए अनुदान सहायता राशि का चेक एवं 'बिहान' योजना की दस दीदियों को लखपति दीदी सम्मान पत्र प्रदान किया। मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री साव ने लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार लगातार विकास के काम कर रही है जिसका ध्येय छत्तीसगढ़ को देश का अव्वल प्रदेश बनाना है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के

लोग ईमानदार हैं और मेहनत से आगे बढ़ रहे है। प्रदेश में खनिज एवं प्राकृतिक सम्पदा प्रचुर मात्रा में हैं। मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व मे हमारी सरकार हर क्षेत्र में विकास के काम तेजी से कर रही है। मोदी की गारंटी के तहत अधिकांश वादे पूरे किए गए हैं। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कार्यक्रम में कहा कि जिला ऑडिटोरियम जिले के सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा। जिले के लिए ऐतिहासिक है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व मे प्रदेश में सभी क्षेत्रों में अच्छी प्रगति हो रही है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल और पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में बीजापुर में आईईडी ब्लास्ट में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि भी दी गई। विधायक मती कविता प्राण लहरे, बलौदाबाजार नगर पालिका के अध्यक्ष चित्तावर जायसवाल, जनपद पंचायत की अध्यक्ष मती सुमन योगेश वर्मा, छत्तीसगढ़ महिला आयोग की सदस्य मती लक्ष्मी वर्मा, कलेक्टर दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, डीएफओ मयंक अग्रवाल और जिला पंचायत की सीईओ दिव्या अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

एकाग्रता के साथ कठिन परिश्रम से मिलती है मंजिल- मंत्री रामविचार नेताम

आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि एकाग्रता के साथ कठिन परिश्रम से मंजिल को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सभी के साथ अपने बच्चे के बेहतर भविष्य के निर्माण का सपना जुड़ा होता है। विद्यार्थियों को भी अपने माता-पिता तथा रिश्ते-नातेदारों के सपने को साकार करने के लिए एकाग्र मन से अर्जुन की भांति केवल चिड़िया के नेत्र को केन्द्र में रखते हुए अपने लक्ष्य को भेदने का प्रयास करना चाहिए। इस प्रयास में राज्य सरकार भी हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है। उक्त बातें आज राजधानी रायपुर के सड्डू स्थित प्रयास आवासीय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कही। उन्होंने आज लगभग 34 लाख रूपए की लागत से निर्मित 40 सीटर आधुनिक कम्प्यूटर लैब का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्री नेताम ने नववर्ष की सौगात के रूप में वहां अध्ययनरत विद्यार्थियों को इंग्लिश डिक्शनरी प्रदान की और बच्चों से चर्चा का उनकी पढ़ाई-लिखाई के बारे में जानकारी ली।

मंत्री नेताम ने कहा कि पढ़ाई का उद्देश्य सिर्फ नौकरी नहीं होना चाहिए, बल्कि शिक्षा लेकर औरों को भी रोजगार देने की होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज आवासीय विद्यालयों में सरकार शैक्षणिक वातावरण के साथ-साथ बेहतर सुविधाएं प्रदान कर रही है।

यहां रहने वाले विद्यार्थी हजारों बच्चों में चयन करके शिक्षा के लिए यहां लाया जाता है। विद्यार्थियों को भी अपने मंजिल को ध्यान में रखकर आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम को रायपुर ग्रामीण के विधायक मोतीलाल साहू ने भी सम्बोधित किया। गौरतलब है कि राज्य सरकार अनुसूचित क्षेत्र एवं गैर अनुसूचित क्षेत्र के कमजोर वर्गों के बच्चों के साथ-साथ माओवादी पीड़ित बच्चों को बेहतर शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अच्छे वातावरण उपलब्ध कराने प्रयास आवासीय विद्यालय संचालित कर रही है।

छत्तीसगढ़ को देश का अव्वल राज्य बनाने के लिए काम कर रही सरकार - अरुण साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज जिला मुख्यालय बलौदाबाजार में नवनिर्मित जिला ऑडिटोरियम का लोकार्पण एवं विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन किया। उन्होंने इस दौरान छह करोड़ 36 लाख रुपए की लागत से निर्मित जिला ऑडिटोरियम और नवीन कृषि उपज मंडी में संचालित होने वाले मनोविकास केंद्र के लोकार्पण सहित 21 करोड़ 29 लाख रुपए के 56 विकास कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण किया। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा और सांसद बृजमोहन अग्रवाल भी लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बलौदाबाजार में आज दो करोड़ रुपए के चार कार्यों का भूमिपूजन तथा 19 करोड़ 29 लाख रुपए के 52 कार्यो का लोकार्पण किया। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर जिला ऑडिटोरियम का नाम बलौदाबाजार के पूर्व विधायक सत्यनारायण केशरवानी के नाम पर करने जिला प्रशासन को राज्य शासन को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। साव ने कार्यक्रम में बलौदाबाजार जिले के नगरीय निकायों में विकास कार्यों के लिए एक करोड़ 85 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने 'हम होंगे कामयाब' कार्यक्रम के अंतर्गत 60 युवाओं को रोजगार पत्र, अंत्यवसायी विभाग के 359 हितग्राहियों को 35 लाख 90 हजार रुपए अनुदान सहायता राशि का चेक एवं 'बिहान' योजना की दस दीदियों को लखपति दीदी सम्मान पत्र प्रदान किया।

मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री साव ने लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार लगातार विकास के काम कर रही है जिसका ध्येय छत्तीसगढ़ को देश का अव्वल प्रदेश बनाना है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोग ईमानदार हैं और मेहनत से आगे बढ़ रहे है। प्रदेश में खनिज एवं प्राकृतिक सम्पदा प्रचुर मात्रा में हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व मे हमारी सरकार हर क्षेत्र में विकास के काम तेजी से कर रही है। मोदी की गारंटी के तहत अधिकांश वादे पूरे किए गए हैं। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कार्यक्रम में कहा कि जिला ऑडिटोरियम जिले के सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा। आज का दिन जिले के लिए ऐतिहासिक है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व मे प्रदेश में सभी क्षेत्रों में अच्छी प्रगति हो रही है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल और पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में आज बीजापुर में आईईडी ब्लास्ट में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि भी दी गई। विधायक मती कविता प्राण लहरे, बलौदाबाजार नगर पालिका के अध्यक्ष चित्तावर जायसवाल, जनपद पंचायत की अध्यक्ष मती सुमन योगेश वर्मा, छत्तीसगढ़ महिला आयोग की सदस्य मती लक्ष्मी वर्मा, कलेक्टर दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, डीएफओ मयंक अग्रवाल और जिला पंचायत की सीईओ सु दिव्या अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ ही एक ऐसा राज्य, जहां भांजे को माना जाता है भगवान का स्वरूप- मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

छत्तीसगढ़ ही एक ऐसा राज्य, जहां भांजे को माना जाता है भगवान का स्वरूप, तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव का भव्य शुभारंभ, 300 बेटियों के हाथ हुए पीले, मुख्यमंत्री ने नवदम्पतियों को दिया आशीर्वाद, 177 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण- भूमिपूजन, बलरामपुर कॉलेज में ऑडिटोरियम निर्माण की घोषणा

प्रभु राम छत्तीसगढ़ के कण-कण में बसे हुए हैं, जन-जन में बसे हुए हैं। भगवान राम हमारे भांचा राम हैं। पूरी दुनिया में छत्तीसगढ़ ही एक ऐसा राज्य है, जहां भांजे को भगवान स्वरूप में पूजते हैं, उनका चरण पखारते हैं। उन्हें दंडवत होकर प्रणाम करते हैं। हमारी सरकार की राम लला दर्शन योजना से राज्य के 20 हजार से अधिक लोग अयोध्या में भगवान राम का दर्शन कर चुके हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर उक्त बाते कही।

हमारी सरकार राज्य

के गरीब परिवारों को पांच साल तक निःशुल्क राशन उपलब्ध कराने का निर्णय भी लिया है। तेंदूपत्ता संग्रहण दर को हमने चार हजार रूपये से बढ़ाकर साढ़े 5 हजार रुपए प्रति मानक बोरा कर दिया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सभी आवासहीन पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। हमने सरकार के शपथ ग्रहण के दूसरे दिन प्रदेश के आवासहीनों के लिए 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति दी। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ के लिए 3 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास योजना की घोषणा की है। उन्होंने अगले वित्तीय वर्ष में छत्तीसगढ़ को 4 लाख नए आवास के लिए सहमति दी है। उन्होंने कहा नये सर्वे में अब हितग्राहियों की मासिक आय सीमा बढ़ाकर 15,000 रुपये कर दी गई है। इसके अलावा जिनके पास ढाई एकड़ सिंचित भूमि या पांच एकड़ असिंचित भूमि है, वे भी अब इस योजना के तहत पात्र होंगे । हितग्राही अब स्वयं भी अपने आवास हेतु मोबाइल एप के जरिए आवेदन और सर्वेक्षण कर सकते हैं।

प्रदेश के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी और प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रयासों से प्रदेश के लाखों परिवारों में खुशी और समृद्धि आई है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं ने समाज के कमजोर वर्गों के जीवनस्तर में सुखद बदलाव लाने का काम किया है।

इस अवसर पर सामरी विधायक मती उद्धेश्वरी पैकरा, प्रतापपुर विधायक मती शंकुतला पोर्ते, सरगुजा विधायक राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हम लोग तातापानी संक्रांति परब में हर साल यहां आते हैं। पिछले साल जब हम लोग यहां आए थे, तब इस पावन स्थल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। परिणाम आप सबके सामने है, आज तस्वीर बहुत कुछ बदली-बदली सी नजर आ रही है। यहां विकास के काम तेजी से हुए हैं और लगातार हो ही रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। खासकर सरगुजा और बस्तर जिले में अनेक ऐसे सुंदर स्थान हैं, जो पूरी दुनिया के आकर्षण का केंद्र बन सकते हैं। ऐसे स्थलों को चिन्हित कर पर्यटन स्थलों का विकास तेजी से कराया जा रहा है। तातापानी भी ऐसी ही जगहों में से एक है। हम इन सभी दर्शनीय स्थलों को पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करेंगे। इससे रोजगार और आय के अवसर बढ़ेंगे। अभी हम लोगों ने 177 करोड़ रुपये के 198 विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन किया है। इनमें करीब 134 करोड़ रुपये की लागत के 140 कार्यों का भूमिपूजन और 43 करोड़ रुपये के 58 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नालंदा परिसर के निर्माण के लिए हम लोगों ने आज भूमिपूजन किया है, जिसके निर्माण से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को विशेष लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बलरामपुर कॉलेज में ऑडिटोरियम निर्माण की घोषणा की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत 300 बेटियों के हाथ पीले हुए हैं। उन्होंने सभी नवदंपतियों को आशीर्वाद देते हुए सभी के सुखमय गृहस्थ जीवन की मंगल कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि तातापानी संक्रांति परब बलरामपुर-रामानुजगंज जिले का गौरव है। तातापानी दुनिया के उन चुनिंदा स्थानों में से एक है, जहां गर्म-पानी के कुंड के रूप में प्रकृति की शक्ति को प्रत्यक्ष देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि तातापानी संक्रांति परब का यह आयोजन समाज में एकता और सौहार्द का संदेश भी देता है। इस महोत्सव में लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों के साथ ही पतंगबाजी और आरागाही हवाई पट्टी पर पैरासेलिंग का आनंद भी आप लोग उठा पाएंगे। यहां किसान संगोष्ठी और पंच-सरपंच सम्मेलन भी होगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य सामने रखा है। इसी के अनुरूप हम भी विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ा रहे है। पिछले एक साल में हमारी सरकार ने मोदी की अधिकांश गारंटियों को पूरा किया है। इस साल छत्तीसगढ़ में धान की फसल अच्छी हुई है। 3100 रुपए क्विंटल के दाम से प्रति एकड़ 21 क्विंटल के मान से धान की खरीदी हो रही है। इस साल किसान भाइयों के घरों में रिकॉर्ड पैसा आने वाला है। अभी किसान भाइयों को धान के समर्थन मूल्य का भुगतान हो रहा है, शीघ्र ही उनके खातों में अंतर की राशि भी भेज दी जाएगी।

बचेली प्रवास में मुख्यमंत्री ने 160 करोड़ से अधिक राशि के विकास कार्यो का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

दंतेवाड़ा जिले में होगा जू पार्क का निर्माणः सभी लैंप्स में जैविक खाद किए जाएंगे उपलब्ध

जहां कभी गोलियों की गूंज थी, वहां अब सुनाई देता है विकास का शंखनाद - मुख्यमंत्री साय

माओवादी खून खराबे और आतंक के पक्षधर हैं, हम विकास और सद्भाव के लिए काम कर रहे हैं। अब बस्तर की तस्वीर तेजी से बदल रही है। जहां कभी गोलियों की गूंज थी, वहां अब विकास का शंखनाद सुनाई देता है। जहां कभी बेकारी और लाचारी थी, वहीं इस जिले के ग्रामीण युवाओं को उच्च शिक्षा और रोजगार उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। हम माओवाद को जड़ से खत्म करके ही दम लेंगे। हमारे शहीद जवानों की शहादत बेकार नहीं जाने देंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल बचेली में आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में विकास का पहिया तेजी से घूम रहा है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत के सपनों को साकार करने के लिए हम

विजन 2047 छत्तीसगढ़ के अंतर्गत विकासशील छत्तीसगढ़ को विकसित छत्तीसगढ़ बनाने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल, बड़े बचेली में हमने 160 करोड़ रूपये के 501 कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन किया है। इनमें 49 करोड़ रूपये के 367 कार्यों का लोकार्पण और 112 करोड़ रूपये के 134 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। साथ ही इस मौके पर हमने 114 करोड़ रूपये के हितग्राही मूलक कार्यों का चेक और सामग्री का वितरण भी कर रहे हैं। आज जिन बड़े विकास कार्यों का लोकार्पण हुआ है, उनमें गीदम ब्लाक के छिन्दनार से बड़ेकरका मार्ग पर 33 करोड़ रूपये का पुल, जिले के सभी विकासखंडों में एक करोड़ रूपये से बने पुल-पुलिया, गीदम, कुआकोंडा, कटेकल्याण मार्ग का चौड़ीकरण और मजबूतीकरण शामिल है।इसके अलावा मोर मकान-मोर आवास के अंतर्गत सवा सात करोड़ रूपये की लागत से 321 हितग्राहियों के लिए बने पक्के मकानों की चाबी भी हमने सौंपी है। जलावर्धन और जलशोधन संयंत्र स्थापना के लिए किरंदुल में करीब 45 करोड़ और बारसूर में 15 करोड़, दंतेवाड़ा में अंतरराज्यीय बस स्टैंड और दंतेवाड़ा जिले के सभी विकासखंडों में आश्रम भवन निर्माण कार्यों के लिए हमने अभी भूमिपूजन किया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आप सबको पता है कि हमारी सरकार ने सुशासन के एक साल पूरे कर लिये हैं। इस एक साल के दौरान मोदी जी की गारंटी को हमने पूरी गारंटी के साथ पूरा किया है। हमारी सरकार ने पहली बार बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया जिसमें करीब 1 लाख 65 हजार लोगों ने भाग लिया। इस आयोजन की सराहना यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने मन की बात में भी की। हमारी सरकार गांव-गरीब और किसानों के हित में लगातार काम कर रही है। तेंदूपत्ता संग्राहकों को हमारी सरकार 4 हजार रुपए से बढ़ाकर साढ़े 5 हजार रुपए प्रति मानक बोरा दे रही है। इससे वनवासियों के जीवन स्तर में बदलाव दिखने लगा है। नियद नेल्लानार योजना अंतर्गत जिले के चिन्हित सभी 765 किसानों को 48 लाख रूपये का पावर स्प्रेयर, 1 करोड़ 70 लाख रूपये की लागत से पॉवर ट्रिलर जल्द ही वितरण करने की तैयारी कृषि विभाग ने की है। नियद नेल्लानार योजना के तहत 1200 परिवारों को निःशुल्क मोबाइल फोन का वितरण किया जा रहा है। इससे दूरस्थ अंचल के ग्रामीण मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे। सुदूर अंचल के क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए जन सुविधा एक्सप्रेस अभियान के तहत करीब 4 करोड़ रूपये की लागत से 37 वाहन महिला समूहों और युवा संगठनों के माध्यम से संचालित हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यहां माता-बहनों की बड़ी संख्या में उपस्थिति है। यह इस बात का प्रमाण है कि इनके खाते में हर महीने एक-एक हजार रूपये सांय-सांय जा रहा है। अभी हाल ही में हमने इस साल के पहले दिन ही माता-बहनों के खाते में रूपये जमा कराया। इससे महिला सशक्तिकरण को बल मिला है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार गांव-गरीब और किसानों के हित में लगातार काम कर रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने अंत्योदय के विकास का जो सपना देखा था। उसे हम सब मिलकर पूरा करने में जुटे हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी का सपना है कि कोई भी भारतीय खुले आसमान के नीचे नहीं सोएगा। हर नागरिक का पक्का मकान होगा। इसी कड़ी में हमारी सरकार बनते ही हमने 18 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 3 लाख 88 हजार आवासों की स्वीकृति पुनः प्रदान की है। मुख्यमंत्री साय ने आवास प्लस का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2024 में बहुत से लोग आवास योजना के लाभान्वित होने से वंचित हुए थे इसके साथ ही वाहन, आय और भूमि संबंधी अन्य संसाधनों होने के साथ ही वे आवास योजना के दायरे से बाहर में थे उनके लिए आवास प्लस योजना के तहत सर्वे कार्य प्रारंभ किया गया हैं। और शीघ्र ही उन्हें सूची में जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि वहीं 2.5 एकड़ सिंचित एवं 5 एकड़ असिंचित भूमि वाले किसान भी आवास योजना के लाभार्थी होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई संसाधन और सड़कों के रखरखाव पर फोकस करते हुए अंतिम छोर के व्यक्ति तक सुशासन पहुंचाने प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि दन्तेवाड़ा जिला खनिज सम्पदा और जैविक कृषि में अग्रणी जिला है। अतः क्षेत्र के सर्वांगीण विकास हेतु राज्य शासन प्रतिबद्ध है। शीघ्र ही जिले में वन्य प्राणी के संरक्षण और पर्यटन को बढ़ावा देने की दृष्टि से ''जू पार्क÷ (चिड़ियाघर) का निर्माण भी किया जाएगा। इसके अलावा जैविक कृषि को महत्व देने के लिए सभी लेम्पस और राशन दुकानों में जैविक खाद उपलब्ध किए जाएंगे।

काला नमक और हींग का इस्तेमाल खाना बनाने के लिए किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं इनका एक साथ सेवन सेहत के लिए बेहद लाभकरी है। खासकर पेट से जुड़ी समस्याओं में ये काफी लाभप्रद माने जाते हैं। सुबह के समय खाली पेट काला नमक और हींग का पानी पीना काफी फायदेमंद माना गया है। चलिए जानते हैं इनका सेवन सेहत से जुड़ी किन परेशानियों में कारगर है?

काला नमक और हींग को पेट के लिए माना जाता है अमृत समान

काला नमक और हींग इन समस्याओं में हैं फायदेमंद -

पाचन करता है बेहतर-

नमक और हींग दोनों ही पेट से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए जाने जाते हैं। ये आंत के स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं। इनका एक साथ सेवन पाचन संबंधी विकारों से प्रभावी रूप से निपटने में मदद कर सकता है।

वजन कम करे-

हींग और काले नमक का सेवन मेटाबॉलिज्म को बढ़ाकर वजन नियंत्रण में भी मदद करता है। इस मिश्रण को अपने डाइट में शामिल करने से मोटापा कम करने में मदद मिलती है, खासकर उन लोगों के लिए जो अतिरिक्त वजन कम करना चाहते हैं।

एसिडिटी और ब्लोटिंग से छुटकारा-

अगर आप भी एसिडिटी और ब्लोटिंग की समस्या से पीड़ित हैं तो काला नमक और हींग का पानी पीना शुरू करें। हींग और काले नमक का मिश्रण ब्लोटिंग की समस्या को कम करने में मदद कर सकता है। ये तत्व एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंट से भरपूर होते हैं, जो सूजन और एसिडिटी की समस्याओं से प्रभावी रूप से निपट सकते हैं।

मतली से राहत-

मतली से राहत मतली से राहत के लिए काले नमक और हींग के मिश्रण की सलाह दी जाती है। उनके पाचन गुण पाचन प्रक्रिया को तेज कर सकते हैं, जिससे उल्टी और मतली से राहत मिलती है। इन्हें गुनगुने पानी में मिलाकर पीने से तुरंत राहत मिलती है।

बॉडी डिटॉक्सिफिकेशन-

हींग और काले नमक का मिश्रण बॉडी डिटॉक्सिफिकेशन के लिए बेस्ट है और शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है। गुनगुने पानी में दोनों की एक चुटकी मिलाकर पीने से शरीर की विषाक्तता को कम किया जा सकता है।

प्यार और विश्वास के आगे हार गई नक्सल हिंसा- जहां कभी बन्दूकें गूंजती थी, अब वहां गूंज रही शहनाई

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में आत्मसमर्पित नक्सलियों ने की गृहस्थ जीवन की शुरूआत, मुख्यमंत्री साय ने परिणय सूत्र में आबद्ध महेश-हेमला और मड़कम-रव्वा को दिया आशीर्वाद

मुख्यमंत्री ने परिणय सूत्र में आबद्ध दोनों नवदम्पत्तियों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की। यह कहानी सुकमा जिले की बदलती तस्वीर है, जहां कभी बन्दूकें गूंजती थी, अब वहां शहनाईयां गूंज रही है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज 13 जनवरी को 206 करोड़ रूपए से अधिक विकास कार्यों की सौगात देने के लिए सुकमा के मिनी स्टेडियम में पहुंचे थे। लगभग सात माह पहले नक्सल हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण करने वाले मौसम महेश और हेमला, मड़कम पाण्डू और रव्वा भीमे ने जिला प्रशासन सुकमा से आग्रह किया था कि वह मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मौजूदगी में परिणय सूत्र में आबद्ध होकर नये जीवन की शुरूआत करना चाहते हैं। जिला प्रशासन ने उन चारों को भरोसा दिलाया था कि मुख्मयंत्री साय का जब भी सुकमा में आगमन होगा, उस दिन मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत उनका विवाह विधिविधान से सम्पन्न कराया जाएगा। आज 13 जनवरी को मुख्यमंत्री के सुकमा प्रवास के दौरान वहां के मिनी स्टेडियम में इन चारों आत्मसमर्पितों का विधि-विधान से विवाह मुख्यमंत्री साय की मौजूदगी में सम्पन्न हुआ, जिसके सा वहां मौजूद हजारों-हजार लोग बने। सभी ने नवदम्पत्तियों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। ज्ञात रहे कि गगनपल्ली गांव के रहने वाले मौसम महेश और डुब्बामरका की रहने वाली हेमला मुन्नी तथा कन्हाईपाड़ निवासी मड़कम पाण्डू और सल्लातोंग की रव्वा भीमे ये चारों पहले नक्सली संगठन से जुड़े हुए थे। छत्तीसगढ़ सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर इन चारों ने जून 2024 में नक्सल हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण कर दिया था। मौसम महेश लगभग बारह साल तक नक्सल संगठन से जुड़े रहे। मड़कम पाण्डू और हेमला मुन्नी 9 साल तक तथा रव्वा भीमे 6 साल तक नक्सल संगठन और उसकी गतिविधियों से जुड़ी रहीं।

युवा शक्ति के हाथों ही खड़ी होगी विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ की बुलंद इमारत - सीएम साय

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद की पुण्यस्थली रही है। स्वामी विवेकानंद जी ने किशोरावस्था के अपने दो बरस यहां डे भवन में व्यतीत किये। जब कोई हवाई मार्ग से रायपुर आता है तो उसे विमानतल का नाम स्वामी विवेकानंद के नाम पर देखकर महसूस हो जाता है कि इस शहर का संबंध स्वामी विवेकानंद से रहा होगा। वहां से शहर के सबसे सुरम्य स्थल विवेकानंद सरोवर तक हर जगह स्वामी विवेकानंद के प्रति इस शहर का आदर नजर आता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वामी विवेकानंद जी की जयंती ''राष्ट्रीय युवा दिवस'' के अवसर पर साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित तीन दिवसीय राज्य युवा महोत्सव के शुभारंभ समारोह को सम्बोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में स्वामी विवेकानंद जी की बड़ी भूमिका है। उन्होंने 1893 में शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में जो ऐतिहासिक वक्तव्य दिया, उससे पूरी दुनिया भारतीय चिंतन के आगे नतमस्तक हो गई। स्वामी जी ने अपने संबोधन की शुरूआत अमेरिकन भाइयों एवं बहनों से की। यह वसुधैव कुटुम्बकं के भारतीय दर्शन के अनुरूप था। उस समय अमेरिकन अखबारों ने लिखा था कि स्वामी जी को सुनकर हमें भारत की सनातन परंपरा के गहरे मूल्यों के बारे में पता चला जिनके बारे में हम सोच भी नहीं सकते थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार परीक्षाएं पूरी पारदर्शिता से आयोजित हुई। जब रिजल्ट आया तो मैंने टापर्स को सम्मानित करने बुलाया। उनके चेहरे में संतोष था। उन्होंने मुझे बताया कि पीएससी के भ्रष्टाचार से वे सब टूट चुके थे, नई सरकार ने जिस तरह से भ्रष्टाचार के विरुद्ध कड़ी कार्रवाइयां की, उससे उनका भरोसा सिस्टम में लौट आया। युवा परीक्षाओं की तैयारी तभी बेहतर तरीके से कर पाते हैं जब उन्हें महसूस होता है कि परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी नहीं होगी। हमने पीएससी की पारदर्शिता बढ़ाने के लिए अनेक उपाय किये हैं। पीएससी की परीक्षा को यूपीएससी के पैटर्न पर हम आयोजित करने जा रहे हैं। इससे प्रदेश के युवाओं का चयन केंद्रीय सेवाओं में भी अधिकाधिक संख्या में हो सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने दिल्ली के यूथ हास्टल में सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर 185 कर दी है ताकि यहां बेहतर कोचिंग कर युवा यूपीएससी परीक्षा क्लियर कर सकें। हमने व्यापम की परीक्षाओं का वार्षिक कैलेंडर जारी कर दिया है। तय समय पर परीक्षा होगी। इसके साथ ही हम विभागों के रिक्त पदों को भरने की भी कार्रवाई तेजी से कर रहे हैं। हमने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू किया है। यह शिक्षा नये जमाने के रोजगार के लिए युवाओं को तैयार करेगी।

मुख्यमंत्री ने नई औद्योगिक नीति का जिक्र करते हुए कहा कि हमने नई उद्योग नीति में इस बात का पूरा ध्यान रखा है कि स्थानीय युवाओं को अधिकतम संख्या में रोजगार मिले। इसके लिए हम उन उद्योगों को विशेष

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि युवा शक्ति के हाथों ही विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ की बुलंद इमारत खड़ी होगी। हमारे युवा हमारे प्रदेश के भविष्य हैं। युवाओं की शक्ति और संकल्प के बूते ही हम प्रदेश के नवनिर्माण की राह पर तेजी से बढ़ रहे हैं। पूर्ववर्ती सरकार के दौरान भर्तियों में जिस तरह से घोटाला हुआ, उसके चलते हमारे युवाओं का मनोबल पूरी तरह से टूट चुका था। हमने वायदा किया था कि पीएससी घोटाले की जांच कराएंगे। हमने इसकी जांच सीबीआई को सौंपी। सीबीआई ने इस मामले में प्रभावी कार्रवाई की है। पीएससी परीक्षा में युवाओं का भरोसा लौट आया है।

साईंस कॉलेज मैदान में चल रहे युवा महोत्सव में युवाओं ने दिखाई अपनी रचनात्मक प्रतिभा

अनुदान सहायता प्रदान करेंगे जो 1 हजार अथवा इससे अधिक स्थानीय युवकों को रोजगार देंगे। प्रदेश में अगले पांच सालों में ढाई लाख करोड़ निवेश होने की संभावना है जिससे पांच लाख नये रोजगार के अवसरों का सृजन होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे युवा बहुत प्रतिभावान हैं। उनके भीतर अनूठे विचार हैं। स्टार्टअप की छत्तीसगढ़ में बड़ी संभावना है। हम इसे प्रोत्साहित कर रहे हैं। हम कोवर्किंग स्पेस बना रहे हैं जहां बेहद कम खर्च में स्टार्टअप आरंभ करने की इच्छा रखने वाला युवा अपना सेटअप स्थापित कर सकता है। आईटी सेक्टर को विशेष रूप से हम प्रेरित कर रहे हैं। नवा रायपुर में तेजी से आईटी कंपनियां अपने यूनिट आरंभ कर रही है। शीघ्र ही नवा रायपुर नये आईटी हब के रूप में स्थापित होगा।

मुख्यमंत्री ने बस्तर ओलंपिक का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें बस्तर संभाग के 1 लाख 65 हजार प्रतिभाओं ने हिस्सा लिया। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी मन की बात कार्यक्रम में इस आयोजन की भरपूर प्रशंसा की। छत्तीसगढ़ में खेलों के विकास के लिए भी हम प्रतिबद्ध हैं और इसके लिए तेजी से अधोसंरचना खड़ी कर रहे हैं और खिलाड़ियों की ट्रेनिंग की पुख्ता व्यवस्था करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में अभी युवा महोत्सव चल रहा है और वहां भी हमारे अनेक युवा साथियों को आमंत्रित किया गया है। प्रदेश के युवाओं की प्रतिभा की धूम पूरे देश-दुनिया में हैं। आप पूरे उमंग से काम करिये। विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़ के सपने को पूरा करने हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं। आपकी भागीदारी से निश्चित ही हम यह लक्ष्य हासिल करेंगे।

छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने युवाओं को उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए का प्रेरक संदेश दिया। स्वामी विवेकानंद ने देश और दुनिया में युवाओं को नई पहचान दी। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति की बदौलत वर्ष 2047 तक छत्तीसगढ़ देश के विकसित राज्यों में से एक होगा। महोत्सव को उपमुख्यमंत्री द्वय अरूण साव और विजय शर्मा, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा ने भी सम्बोधित किया। समारोह में खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, विधायकगण सर्व राजेश मूणत, गुरू खुशवंत साहेब, छत्तीसगढ़ युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर सहित बड़ी संख्या में प्रदेशभर से आए युवा और आम नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने इंडियन वॉटर वर्क्स एसोसिएशन के अधिवेशन का किया शुभारंभ

पानी प्रकृति का अनमोल उपहार जिसके संरक्षण की जिम्मेदारी हम सबकी है- सीएम साय

पानी प्रकृति का अनमोल उपहार है, जिसे ईश्वर ने हमें बेमोल दिया है, लेकिन हमें इसका मोल समझना होगा। आज पूरा विश्व जल संकट से जूझ रहा है। देश-दुनिया के कई शहरों में भू जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। यदि समय रहते हम सचेत नहीं हुए तो जल संकट विकराल रूप धारण कर सकता है। हम सभी को पानी की एक-एक बूंद को सहेजना होगा।

जल संरक्षण की जिम्मेदारी हम सबकी है। जल प्रबंधन आज समय की मांग है। हमें आने वाली पीढ़ियों के बेहतर जीवन के लिए जल के प्रबंधन, संरक्षण के साथ ही जल स्रोतों के संवर्धन पर विशेष ध्यान देना होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इंडियन वाटर वर्क्स एसोसिएशन के 57वें वार्षिक अधिवेशन को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वैश्विक जलवायु संकट के परिपेक्ष्य में जल संरक्षण और भी महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल संरक्षण के लिए जल जीवन मिशन, जल शक्ति अभियान, अमृत सरोवर, मिशन अमृत और एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियान शुरू कर जल और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मोदी जी ने प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए हर घर नल से जल योजना शुरू की। हमारी सरकार ने छत्तीसगढ़ के ग्रामीण इलाकों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए नल कनेक्शन प्रदान किया है, जिससे लोगों के घरों में साफ पानी पहुंचने से उनका स्वास्थ्य स्तर भी सुधरा है और ग्रामीणों के जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव आया है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इंडियन वॉटर एसोशिएसन की स्मारिका का विमोचन किया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश भर से आए इंजीनियर्स, जल संरक्षण के विषय विशेषज्ञ जल संरक्षण के विषय में गहन विचार विमर्श करेंगे और जल संरक्षण के लिए रणनीति तैयार करने में योगदान देंगे।

उल्लेखनीय है कि इंडियन वॉटर एसोशिएसन की मेजबानी में दूसरी बार राजधानी रायपुर में 10 से 12 जनवरी तक आयोजित किए जा रहे इस अधिवेशन में जल-360 डिग्री की थीम रखी गई है। अधिवेशन में देश के 400 जल विशेषज्ञ और अनुभवी इंजीनियर शामिल हो रहे हैं। अधिवेशन में जल, अपशिष्ट जल उपचार और सतत प्रबंधन में नवीन टेक्नोलॉजी को शामिल करने पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए हम फौलादी इच्छाशक्ति से कर रहे हैं काम - सीएम साय

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए हम फौलादी इच्छाशक्ति के साथ काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2030 तक 300 मिलियन टन स्टील उत्पादन का लक्ष्य रखा है और इस लक्ष्य को पाने में छत्तीसगढ़ की सबसे अहम भूमिका होगी। इसके लिए प्रदेश के प्रत्येक उद्यमी को छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा का ब्रांड एंबेसडर बनना होगा। प्रदेश के स्टील उद्योग को नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए हरसम्भव सहयोग हमारी सरकार प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नवा रायपुर के मेफेयर लेक रिसॉर्ट में आयोजित ऑल इंडिया स्टील कॉनक्लेव 2.0 को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष मना रहा है। हम विकसित छत्तीसगढ़ की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब मैं केंद्रीय राज्य मंत्री था तब स्टील इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों से अक्सर मुलाकात होती रही है। साय ने कहा कि 17 राज्यों से आए 1500 प्रतिनिधि यहां दो दिन स्टील उद्योग की चुनौतियों व नये अवसर पर मंथन करेंगे। मुझे विश्वास है कि यहां हुई चर्चा स्टील सेक्टर के साथ ही छत्तीसगढ़ और देश की तरक्की को नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि ऑल इंडिया स्टील कॉन्क्लेव 2.0 का आयोजन प्रदेश में स्टील उद्योग को तो प्रोत्साहित करेगा ही, एमएसएमई के लिए भी लाभकारी होगा। देशभर के उद्योग जगत के लोग छत्तीसगढ़ की इस विकास यात्रा में भागीदार होना चाहते हैं। छत्तीसगढ़ में अवसर के कई द्वार अभी और खुलेंगे। जल्द ही हम लिथियम जैसी ऊर्जा खनिज के सबसे बड़े केंद्र बनेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में स्टील उद्योग के लिए काफी अवसर हैं। हमारे पास स्टील इंडस्ट्री के लिए जरुरी खनिज जैसे लोहा ओर और कोयला के साथ ही बिजली पर्याप्त मात्रा में है। हम स्टील उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर हैं। हमें गर्व है कि हमारा प्रदेश देश की इकोनॉमी का पावर हाउस है। छत्तीसगढ़ ने अब ग्रीन स्टील की ओर भी कदम बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि स्टील उद्योग में कई नवाचार हो रहे हैं। उत्पादन बढ़ाने के लिए आप लोग नई और एडवांस टेक्नोलॉजी का उपयोग कर रहे हैं, इसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। आर्थिक विकास को गति देने के साथ हमें जलवायु परिवर्तन की चुनौती का भी समाधान करना होगा। ऐसे में अब पर्यावरण अनुकूल विकास के स्थायी उपाय करने होंगे। उन्होंने नई औद्योगिक नीति के जरिए 5 लाख नये रोजगार सृजन के लक्ष्य की बात दोहराई और कहा कि यह आप

सभी के सहयोग से ही पूरा होगा। मुख्यमंत्री ने इस दौरान सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 और नई औद्योगिक नीति पर भी सरकार के विजन को साझा किया। सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 एक ऐसा नवाचारी प्लेटफॉर्म है जिसके जरिए राज्य में उद्योग, व्यवसाय और स्टार्टअप को एक पोर्टल पर तमाम सुविधाएं मिल रही हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार ने निवेश के लिए अनुकूल औद्योगिक नीति तैयार की है और इससे प्रदेश में निवेश आकर्षित हो रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ वनाच्छादित प्रदेश है और यहां खनिज सम्पदा के विपुल भंडार मौजूद है। प्रदेश के विकास को गति देने की सभी संभावनाएं यहां मौजूद है। देवांगन ने स्टील उद्योग को बढ़ावा देने के लिए शासन द्वारा लिए गए निर्णयों की जानकारी भी दी। उन्होंने कॉनक्लेव में मौजूद सभी उद्योगपतियों से आग्रह करते हुए कहा कि हमारी इस औद्योगिक नीति को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं, जिससे लोग इसका लाभ लें और प्रदेश की तरक्की में साझेदार बने।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का सबसे तेजी से विकसित होता हुआ राज्य बन रहा है। प्रदेश में स्टील उद्योग के लिए अनुकूल अवस्थाएं मौजूद हैं। प्रदेश में पहले से ही अनेक उद्योग स्थापित हैं अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम विकास के साथ ही पर्यावरण का भी ध्यान रखें। सीएसआर की सहायता से लोगों के जीवन को भी बेहतर बनाने का प्रयास करें।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, सचिव राहुल भगत, उद्योग सचिव रजत कुमार, ऑल इंडिया स्टील कॉनक्लेव 2.0 के चेयरमैन रमेश अग्रवाल, छत्तीसगढ़ स्टील री रोलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय त्रिपाठी, भिलाई स्टील प्लांट के सीईओ अजॉय कुमार चक्रवर्ती सहित सीएसआरए के पदाधिकारीगण और स्टील उद्योग से जुड़े उद्योगपति उपस्थित थे।

मुंबई में ठिकाना ढूंढने भटक रही यामिनी मल्होत्रा, सोशल मीडिया पोस्ट में बयां किया

बिग बॉस 18 की कंटेस्टेंट रहीं यामिनी मल्होत्रा इन दिनों मुंबई में रहने के लिए घर की तलाश कर रही हैं। यामिनी दिल्ली से मुंबई शिफ्ट होना चाहती हैं लेकिन उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। यामिनी ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर कर बताया है कि उन्हें कितनी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

दरअसल, बिग बॉस 18 के बाद

यामिनी अब मुंबई में रहना चाहती हैं लेकिन उन्हें रहने के लिए छत नहीं मिल रही है। वह पिछले कई दिनों से घर की तलाश कर रही हैं लेकिन कोई भी उन्हें अपने घर में किराए पर रहने नहीं दे रहा है। इन सब चीजों से परेशान होकर यामिनी ने अब सोशल मीडिया का सहारा लिया है। यामिनी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए बताया है कि उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यामिनी ने सोशल मीडिया पर जो तस्वीर जारी की है उसमें उन्होंने लिखा है कि उन्हें कुछ ऐसा शेयर करना पड़ रहा है जो उनके लिए काफी निराशाजनक रहा है। यामिनी ने लिखा- जितना मैं मुंबई से प्यार करती हूं, यहां फ्लैट मिलना उतना ही मुश्किल होता जा रहा है। मुझसे सवाल पूछे जा रहे हैं कि मैं हिंदू हूं या मुसलमान, गुजराती हूं या मारवाड़ी। जैसे ही लोगों को पता चलता है कि मैं एक्ट्रेस हूं, वे सीधे मना कर देते हैं।

दीपिका पादुकोण की फिल्म पद्मावत सिनेमाघरों में फिर हो रही रिलीज

संजय लीला भंसाली की फिल्मों की बात कुछ अलग होती है। उनकी मूवीज में एक्टर के साथ सीन में नजर आ रहा हर एलिमेंट एक अलग कहानी कह रहा होता है। भंसाली अपने ग्रैंड सेट्स के लिए भी काफी मशहूर हैं। ऐसी ही एक फिल्म अब सिनेमाघरों में पहुंचने वाली है जिसका नाम पद्मावत है। इसे पहली रिलीज के 7 साल बाद इसे फिर से सिल्वर स्क्रीन पर उतारा जा रहा है। वॉयकॉम 18 स्टूडियो और भंसाली प्रोडक्शन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर हाल ही में एक पोस्ट शेयर किया है। पोस्ट में पीरियड ड्रामा फिल्म का पोस्टर शेयर कर उसकी री-रिलीज का ऐलान किया गया है। वॉयकॉम 18 स्टूडियो के मुताबिक, पद्मावत फिल्म 24 जनवरी 2025 को फिर से बड़े पर्दे पर रिलीज की जाने वाली है। फिल्म को देखने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं और कमेंट में जमकर अपने रिएक्शन दे रहे हैं।

पद्मावत की टक्कर की अक्षय कुमार की फिल्म स्काई फोर्स ने होने वाली है। 2018 में जब पद्मावत रिलीज हुई तो इसने हर तरफ तहलका मचा दिया था। फिल्म की कहानी और शानदार एक्टिंग ने दर्शकों का दिल जीत लिया था।